Karwa Chauth 2020: 4 नवंबर को मनाया मनाया जाएगा करवा चौथ, पति की लंबी आयु के लिए करवाचौथ के दिन की जाती है पूजा। आप के जीवनसाथी को मिलेगा चंद्र देव का आशीर्वाद उनकी खुसियों के लिए करे मंगल कामना।

https://www.theglobalkaka.com/religion/karva-chauth-vrat-katha-meaning-moon-timing-puja-samagri/

कब है करवा चौथ ?

Karwa Chauth Date: करवा चौथ 4 November, 2020 मनाया जायेगा, हिन्दू पंचांग के अनुसार करवा चौथ कार्तिक माह में कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। करवा चौथ व्रत के दिन करवाचौथ माता, भगवान शिव और माता पार्वती के साथ साथ कार्तिक की भी पूजा की जाती है।

Karwa Vhauth Vrat Vidhi in Hindi

सबसे पहले शक्ति के प्रतीक भगवान शिव और माता पार्वती की परिवार सहित साथ में भगवान श्रीकृष्ण की फोटो सामने रखे। प्रथम पूजनीय और मंगल करि भगवान श्री गणेश जी की स्तुति करे ॐ वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ । निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥ भगवान गणेश का ये मंत्र करता है अमंगल को मंगल करता है।

पीले फूलों की माला, लड्डू और केले चढ़ाएं। भगवान शिव और पार्वती को सुहाग और श्रृंगार की वस्तुएं अर्पित करें। मिटटी के कर्वे (मिटटी का छोटा सा कलश, या लोटे के सामान मिटटी का पात्र) पर रोली से स्वस्तिक बनाएं।

कर्वे में दूध और पानी मिलाकर रखें और रात को छलनी के प्रयोग से उगते चांद को देखें और चांद को अर्घ्य दें। इस दिन करवा चौथ की कथा कहनी या फिर सुननी आवश्यक होता है, जिसके बिना यह व्रत अधूरा होता है।

Karva Chauth Vrat Katha

Karva Chauth ki Kahani - मान्यताओं के अनुसार एक ब्राह्मण के सात पुत्र और एक पुत्री थी जिसका नाम वीरावती। वीरावती के भाई अपनी बहन को खुस रखने के लिए कुछ भी कर सकते थे। बढ़ी होने के बाद वीरावती की शादी हो गए और वो अपने ससुराल चली गई। ससुराल जाने के बाद वीरावती करवा चौथ का व्रत करने लगी। उसका वैवाहिक जीवन सुखो से भरा हुआ था। एक बार वीरावती करवाचौथ के व्रत के दिन अपने मायके आई हुई। वह भी उसने करवा चौथ का व्रत रखा लेकिन जब उसके भाई भोजन करने के लिए बैठे तो उन्होंने उससे आग्रह किया की वो भी भोजन ग्रहण करने। लेकिन उनसे बताया की आज उसका करवा चौथ का व्रत है और वह भोजन चंद्रमा को देखकर उसे अर्घ्य देकर ही करेगी। लेकिन उस दिन चंद्रमा देरी से निकला है। उससे पहले उसके भाइयो ने के एक उक्ति सोची और उन्होंने पीपल के पेड़ पर एक दीपक जलाकर चलनी की ओट में रख देता है। दूर से देखने पर वह दीपक चंदमा लग रहा था। फिर एक भाई ने वीरावती को कहा कि देखो चांद निकल आया है। तुम पूजा कर के अपना भोजन गृहण करो। वीरावती ने वैसे ही किया।

Karva Chauth Story: उसके बाद उसने जैसे ही पहला निवाला मुंह में डाला है तो उसे छींक आ गई और दूसरा निवाला डाला तो उसमें बाल निकल आया। इसके बाद उसने जैसे ही तीसरा निवाला मुंह में डालने की कोशिश की तो उसके पति की मृत्यु का समाचार उसे मिल गया।

तभी उनके भाईओ को अहसास हुआ की ये सब उनकी वह से हुआ है करवा चौथ का व्रत गलत तरीके से टूटने के कारण देवता उससे नाराज हो गए है। वीरावती के विलाप और दुःख को देख कर, इंद्र देव की पत्नी इंद्राणी करवाचौथ के दिन धरती पर आईं। वीरावती ने अपने पति की प्राण के लिए प्रार्थना की। उन्होंनें वीरावती को सदासुहागन का आशीर्वाद देते हुए उसके पति को जीवित कर दिया। इसके बाद से महिलाओं का करवाचौथ व्रत पर अटूट विश्वास होने लगा।

Moon Time on Karva Chauth

हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 04 नवंबर को तड़के 03 बजकर 24 मिनट से 05 नवंबर दिन गुरुवार को प्रात:काल 05 बजकर 14 मिनट तक रहेगी।

करवा चौथ का व्रत 04 नवंबर को रखा जाएगा। 04 नवंबर को शाम 05 बजकर 34 मिनट से शाम 06 बजकर 52 मिनट तक करवा चौथ की पूजा का मुहूर्त है। इस 1 घंटा 18 मिनट में आपको पूजा संपन्न कर लेनी चाहिए। Karwa Chauth Moon Time - चंद्र उदय का समय 8:22 पर है।